an>

Title:

श्री राम चरित्र निषाद **(**मछलीशहर**):**आदरणीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं और सदन के सभी सदस्यों से निवेदन है कि जिस विषय पर बोलने वाला हूं अगर आपको सही लगे तो आशीर्वाद जरूर दीजिएगा। आज हिन्दुस्तान बहुत धूमधाम से श्रीमद्भगवद्गीता का 5,191 वर्ष मना रहा है। देश के लोगों की यह अपेक्षा रही है कि श्रीमद्भगवद्गीता को राष्ट्रीय पवित्र ग्रंथ घोषित किया जाए। श्रीमद्भगवद्गीता हरेक समस्याओं का निदान और निवारण प्रदान करता है। आज के वैश्विक युग में हम जो कुछ देखते और अनुभव करते हैं और जिन समस्याओं से जूझते हैं, ऐसे में भागवत गीता उन परिस्थितियों से निपटने के लिए मार्गदर्शक के रूप में हमारे समक्ष उपलब्ध है। यह पवित्र ग्रंथ इस देश व विश्व की नयी युवा पीढ़ी के लिए एक मार्ग दर्शन की तरह है। यह उन्हें वैसे ही प्रेरित करता है जैसे भगवान कृष्ण ने अर्जुन को युद्ध क्षेत्र का सामना करने के लिए प्रेरित किया था। विदित है कि जब माननीय प्रधान मंत्री जी ने अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा व दूसरे राष्ट्राध्यक्षों को गीता भेंट की थी, तब इस ग्रंथ को वह सम्मान मिला, जो आज तक नहीं मिला। इस पहल के लिए हम सब भारतीय अति गौरवान्वित महसूस करते हैं। देश के अन्य लोगों के साथ मैं श्री माननीय प्रधान मंत्री के समक्ष यह अपेक्षा और मांग रखता हूं कि श्रीमद् भागवत गीता को राष्ट्रीय पवित्र ग्रंथ घोषित किया जाये। मैं उम्मीद करता हूं कि इस सदन के सभी सदस्य मेरी इस मांग से सहमत होंगे।

अतः मेरी यह विनम्र विनती है कि भारत सरकार श्रीमद् भागवत गीता को पवित्र ग्रंथ घोषित करे।

माननीय अध्यक्ष **:** श्री भैरों प्रसाद मिश्र तथा श्री अजय मिश्रा टेनी को श्री राम चरित्र निषाद द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।